

प्रेषक,

पी०सी०शर्मा,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
राजकीय नागरिक उड्डयन विभाग,
टी०आई०पी० हैंगर, जौलीघाट,
देहरादून।

परिग्रहण एवं नागरिक उड्डयन अनुभाग-2

देहरादून :दिनांक ३० नवम्बर 2007

विषय: नागरिक उड्डयन विभाग, उत्तराखण्ड के लिये वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु
अनुदान संख्या-24 के लेखाशीर्षक 5053 नागर विमानन अंतर्गत आयोजनागत पक्ष के
बजट आवंटन की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या- 509
/XXVII(1)/2007 दिनांक 12 जुलाई 2007 तथा शासनादेश संख्या
546/ix(65)/clV/प्लान-नानप्लान/2007-08 दिनांक 7 मई 2007 तथा निदेशक,
राजकीय नागरिक उड्डयन विभाग, उत्तराखण्ड के पत्र संख्या -533 /14 -छ:-लेखा
बजट प्लान/2007-08 दिनांक 22 अगस्त 2007 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश
हुआ है कि श्री राजपाल महोदय नागरिक उड्डयन विभाग, उत्तराखण्ड के लिए चालू
वित्तीय वर्ष 2007-08 में अनुदान संख्या-24 के लेखाशीर्षक 5053 के अंतर्गत
आयोजनागत पक्ष में निम्न तालिका के विवरणानुसार रु० 6,09,50,000.00(छः करोड़ नौ
लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि (लेखानुदान के अंतर्गत माह 1 अप्रैल 2007से
31 जुलाई 2007 तक की वित्तीय स्वीकृतियों को सम्मिलित करते हुये) के अंतर्गत
स्वीकृत धनराशि को समाहित करते हुये निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन
आपके निर्वर्तन पर रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि हजार में)

क्र.सं.	विवरण	कुल बजट प्राधिकरण धनराशि वर्ष (2007-08)	सेवानुदानादिमाह 1 अक्टूबर 2007 से 31 जुलाई 2007 तक)के अंतर्गत स्वीकृत धनराशि	सेवानुदान के अन्तर्गत अवशिष्ट निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि
1	<p>ग्राम सेवा</p> <p>5053-नगर विकास पर कुलित व्यय</p> <p>02-विमान पटल-आवकजाता</p> <p>600-अन्य व्यय</p> <p>04-उपरी परी के सुदृढीकरण एवं अन्य सम्बन्धित निर्माण कार्य</p> <p>24-गृह निर्माण कार्य</p> <p>08- देहदहन में हेल्थीट २० हेयर का निर्माण</p> <p>24-गृह निर्माण कार्य</p> <p>11- वातावरणिक विमान सेवाओं का विकास</p> <p>24-गृह निर्माण कार्य</p>	<p>10,000</p> <p>5000</p> <p>50,000</p>	<p>750</p> <p>3300</p> <p>-----</p>	<p>9250</p> <p>1700</p> <p>50,000</p>
मूल		65000	4050	609500

2- वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-255/XXVII(1)/2007 दिनांक 26मार्च 2007 शासनादेश संख्या-599/XXVII(1)/2007 दिनांक 12 जुलाई, 2007 में निहित प्रक्रियाओं एवं शर्तों का कड़ाई से अनुपालन करते हुए व्यय किया जायेगा।

3- उक्त निवर्तन पर पर रखी जा रही धनराशि के व्यय हेतु सुस्पष्ट प्रस्ताव पृथक-पृथक उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें। योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु मूलभूत आवश्यकता का विवरण देकर भूमि की उपलब्धता , कार्यदायी संस्था की

रूपरेखा स्पष्ट कर प्रस्ताव उपलब्ध कराया जायेगा। उक्तानुसार प्रस्ताव उपलब्ध कराया जायेगा। तदुपरान्त ही व्यय की स्वीकृति प्रदान की जायेगी।

4- आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाये और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिये नहीं किया जाये।

5- उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्ण स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।

6- प्लान पक्ष की उक्त धनराशि को विपरीत व्यय की स्वीकृति नियोजन विभाग से प्लान परिषद की सहमति होने के उपरान्त वित्त विभाग की सहमति से ही दी जायेगी।

7- व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका, स्टोर परचेज बुक, टेंडर/कोटेशन विभाग नियम एवं मितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।

8- व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिनके लिए यह स्वीकृति दी जा रही है। वार्षिक व्यय तथा व्यय का व्यय विवरण बी०-एम्०-०८ एवं बी० एम्०-१३ पर ही प्रत्येक माह की ०५ तारीख तक नागरिक उड्डयन विभाग/ वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

9- सामग्री/सम्पत्ति आदि की मद में धनराशि व्यय करने के पूर्व बी०जी०एस०एण्ड बी०/ टेंडर/कोटेशन आदि का सम्पूर्ण विवरण देते हुए मृथक से शासन की स्वीकृति प्राप्त कर धनराशि व्यय की जायेगी।

10- उक्त निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि से यदि कोई निर्माण/विकास कार्य कराये जायें या कोई प्रतिकर आदि भुगतान किया जायेगा तो उनके सक्षम तकनीकी एजेंसी/विभाग से आगणन लौ०नि०वि० की दरों पर बनवाकर तथा प्रतिकर के भुगतान के सम्बन्ध में सम्बन्धित विभाग से अनुमान प्राप्त कर उस पर शासन स्तर पर गठित टी०ए०सी० की तकनीकी स्वीकृति के उपरान्त ही धनराशि व्यय हेतु शासन से अनुमति दी जायेगी।

11- जिन कार्यों के लिये आवश्यक हो उनके लिये शासन द्वारा मान्यता प्राप्त निर्माण एजेंसी से लोक निर्माण विभाग के शिड्यूल ऑफ़ रेट्स के आधार पर आगणन बनाकर उस पर सक्षम तकनीकी एजेंसी से तकनीकी परीक्षण कराकर ही धनराशि का व्यय किया जायेगा।

12- व्यय की जा रही मद में यदि वित्तीय वर्ष २००४-०५, २००५-०६ तथा २००७-०८ में कोई धनराशि स्वीकृत की गई है, तो उसका उपयोगिता प्रमाण-पत्र एवं वित्तीय तथा भौतिक प्रगति विवरण शासन को तत्काल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

13- उक्त धनराशि का तत्काल उपयोग कर निर्धारित प्रारूप पर उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जाय।

- 14- अप्रयुक्त धनराशि बजट मैन्युअल के प्राविधानों के अन्तर्गत रागय-रागणी के अनुसार 31-03-08 तक रागणीया किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- 15- रागणीय की जा रही धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार आवश्यक मदों पर ही किया जायेगा तथा व्यय में निव्ययिता के विषय में शासन द्वारा रागय-रागय पर जारी किये गये समस्त शारणादेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा।
- 16- कृपया उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।
- 17- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2007-2008 के अनुदान संख्या-24 के लेखाशीर्षक 5053 नागर विमानन पर पूजीगत परिधाय 02-विमान पत्तन-आयोजनागत 800-अन्य व्यय 00-की पूर्व पृष्ठ के प्रस्तर-1 में उल्लिखित तालिका की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।
- 18- यह आदेश वित्त विभाग के अशाराकीय संख्या- 453(B) /XXVII(2)/2007 दिनांक 30 नवम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(पी०सी० शर्मा)
प्रमुख सचिव

संख्या- २१४/IX/112/2007-08, समदिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओवरॉ। गौटर बिल्डिंग, गाजरा, देहरादून।
- 2- परिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- श्री एल०एम० पन्त, अपर सचिव/बजट अधिकारी उत्तराखण्ड शारान।
- 4- वित्त अनुभाग-2
- 5- गार्ड बुक।
- 6- एन०आई०सी०सचिवालय।

आज्ञा से

(पी०सी० शर्मा)
प्रमुख सचिव।

30/11